

विश्व न्याय मन्दिर

8 नवम्बर 2019

विश्व के बहाईयों को

परमप्रिय मित्रों,

विगत कुछ सप्ताहों में ही नहीं, बल्कि वर्तमान समय में अपने विलक्षण चरमोत्कर्ष पर आ पहुंची उल्लेखनीय प्रगति की पूरी दो-वर्षीय अवधि में, आपने जिस पैमाने पर उपलब्धियां हासिल की हैं उनसे हमें आपको यह पत्र लिखने की प्रेरणा मिली है, क्योंकि प्रत्यक्ष रूप से आप ही एक ऐसे अभिगमन के संचालक रहे हैं जिसने यह प्रमाणित कर दिया है कि वह अदम्य है। दिव्यात्मा बाब के जन्मोत्सव का द्विशताब्दी समारोह केवल एक स्मरणीय आयोजन नहीं था बल्कि यह एकता और साहसी पहल की भावना से किए गए समर्पित प्रयास के आठ चक्रों का परिणाम था। सेवा के आह्वान के प्रत्युत्तर में मित्रों को इतने विश्वास के साथ उठ खड़े होते हुए देखकर हमें बहुत ही हर्ष हुआ। विगत द्विशताब्दी के दौरान मित्रों ने यह देखा था कि उनके समुदाय क्या कुछ नहीं कर सकते हैं, और इससे प्रेरित होकर वे, अच्छी तैयारी और समीक्षा के बल पर, अपार ऊर्जा से भरे उद्यम में तल्लीन हुए। इस तरह, स्थानीय समुदाय, पास-पड़ोस, और गांव हर प्रकार की गहन गतिविधियों की रंगभूमि बन गए। अनेक उल्लेखनीय सफलताएं प्राप्त हुई हैं। पारिवारिक एवं अंतःपारिवारिक समारोह प्रमुखता से उभरे; इसी तरह युवाओं द्वारा अपने साथियों के लिए आयोजित किए गए सम्मेलनों से बहुत शक्ति मिली; बाब और उनके आरंभिक अनुयायियों की कहानियों को जीवन्त रूप से पुनःप्रस्तुत करने के अवसरों का भाव-प्रवण इस्तेमाल किया गया। अक्सर छोटे बच्चों के माता-पिताओं द्वारा शुरू किए गए, समाज की जरूरतों के बारे में संवाद कायम करने के माध्यम से इन समारोहों को अतिरिक्त गहनता प्रदान की गई। इस द्विशताब्दी समारोह ने सौन्दर्य और अनुभूति से समृद्ध कलात्मक प्रस्तुतियों को भी प्रोत्साहित किया। श्रद्धा और भक्ति की ऐसी रचनात्मक अभिव्यक्तियां इतनी अधिक और विविधतापूर्ण थीं कि उनका वर्णन नहीं किया जा सकता। और हर प्रकार के कार्यक्रम को संस्थान के साथ संलग्न होने का जिस तरह से सहज आमंत्रण बनाया गया वह खास तौर पर ध्यान देने योग्य बात थी। समुदाय की गतिविधियों के दायरे में यथासंभव अधिकाधिक संख्या में लोगों को लाने के लिए जो क्षमता दर्शाई गई उससे हम बहुत ही प्रोत्साहित हुए। निश्चित रूप से, इससे यह परिलक्षित होता है कि मानव इतिहास के पावन क्षण और 'पवित्र दिवसों' में उनका आयोजन व्यक्ति की आत्माओं को उन्नत करने और एक साझे अनुभव में

उन्हें एकजुट करने की कैसी अपार क्षमता रखते हैं। आने वाले वर्षों में, हर जगह, ऐसे उत्सवों के विश्वव्यापी आयोजन में संस्कृति के स्तर पर उन्नति की कैसी महान संभावना का वचन निहित है!

इस सच्चाई में अब कोई संदेह नहीं रह गया है कि वृहत्तर विश्व में प्रचुर ग्रहणशीलता भरी हुई है। प्रगति इस बात पर निर्भर है कि हम आगे भी समुदाय-निर्माण की प्रक्रिया को और आगे बढ़ाने के लिये क्षमता का विकास जारी रखें। और इसलिए अब सबकी निगाह आने वाले महीनों पर है। 'युगल दिव्य नक्षत्रों' के प्रति आपकी श्रद्धा और मानवजाति के कल्याण के प्रति आपकी भावना, जिसने अभी तक आपके अच्छे प्रयासों को प्रेरित किया है, वह आने वाले छः चक्रों में भी आपकी गतिशीलता बनाए रखे। उन सभी लोगों से जिन्होंने इस सफलता को अंजाम देने के लिए प्रयास किए, हम आग्रह करते हैं कि वे शीघ्रता से आगे बढ़ें और एकबार फिर समीक्षा और परामर्श के लिए एकत्रित हों, और यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपके अनुभवों ने आपको जो कुछ भी सिखाया है उसे अलग-अलग भिन्न परिवेशों में किस तरह सर्वोत्तम रूप से क्रियान्वित किया जा सकता है: यह कि मित्रों का एक विस्तृत होता नाभिकीय बिंदु किस तरह कार्यकलापों का एक सतत विकसित होता हुआ प्रतिमान तैयार कर सकता है, बच्चे अगले ग्रेड (स्तर) तक और किशोर अगले क्रम के पाठ्यक्रम की दिशा में कैसे आगे बढ़ सकते हैं, अपने नैतिक और आध्यात्मिक गुणों का ज्यादा विकास करते हुए; संस्थान के पाठ्यक्रम अति-वांछित कुशलताओं और क्षमताओं का सृजन कैसे कर सकते हैं; ज्यादा से ज्यादा लोगों को शामिल करने के लिए सेवा के पथ को और अधिक प्रशस्त कैसे किया जा सकता है; समाज को बेहतर बनाने की सच्ची आशा की झलक कार्यरूप में कैसे दिखाई जा सकती है; और ईश्वर के सभी जन किस तरह उसके नवीन 'प्रकटीकरण' से प्रेरणा ग्रहण करने में सक्षम बनाए जा सकते हैं, और अधिक ग्रहणशील आत्माओं को 'आभा सौन्दर्य के धर्म' की पहचान प्राप्त करने के लिए कैसे आमंत्रित किया जा सकता है। इस विशिष्ट क्षमता-सम्पन्न अनवरत अवधि में, एक ऐसी घड़ी में जब घोर संकट के समक्ष दुनिया स्वयं को निरुपाय महसूस कर रही है और लोग व्याकुलता और निराशा से पराभूत हैं, बहाउल्लाह ने हमें एकबार फिर से इस बात की झलक दिखाई है कि 'उनके' नाम को धारण करने वाला समुदाय अपने ईश्वर-प्रदत्त लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए साहस और वीरता के माध्यम से क्या कुछ नहीं कर सकता है। पवित्र समाधियों पर हम भावपूर्ण प्रार्थना करेंगे कि जिनके भी हृदय में 'उनका' प्रेम संचित है, उस हर बच्चे, हर युवा, हर स्त्री, हर पुरुष, हर परिवार और हर समुदाय को 'उनकी' अचूक संपुष्टियां अपने दायरे में समेट ले।

[हस्ताक्षर: विश्व न्याय मन्दिर]